भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

(विदेशी ऋण प्रबंधन एकक)

प्रेस विज्ञप्ति

विषयः सितम्बर 2006 को समाप्त तिमाही के संबंध में भारत का विदेशी ऋण ।

सितम्बर, 2006 के अन्त की स्थिति के अनुसार, 136.5 बिलियन अमरीकी डालर के स्तर पर भारत के विदेशी ऋण स्टाक में जून, 2006 के अन्त के 132.2 बिलियन अमरीकी डालर की तुलना में 4.3 बिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि देखी गई **(सारणी 1)**। सितम्बर 2006 के अन्त में बकाया विदेशी ऋण में हुई वृद्धि अनिवार्यतया विदेशी वाणिज्यिक उधारों, अनिवासी भारतीयों की जमाराशियों और अल्पावधिक ऋण में हुई बढ़ोतरी के कारण थी।

सारणी 1: भारत का विदेशी ऋण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	निम्नलिखित माह के अंत में बकाया ऋण			परिवर्तन (सम्पूर्ण)		परिवर्तन (प्रतिशत)	
	मार्च 2006 (सं)	जून 2006 (सं)	सित. 2006 (त्व.अ.)	मार्च 06 से सित. 06 (4-2)	जून. 06 से सित. 06 (4-3)	मार्च 06 से सित. 06	जून. 06 से सित. 06
1	2	3	4	5	6	7	8
1. बहुपक्षीय	32,559	33,101	33,594	1,035	493	3.2	1.5
2. द्विपक्षीय	15,727	15,834	15,734	7	-100	0.0	-0.6
3. आईएमएफ	0	0	0	0	0	0.0	0.0
4. निर्यात ऋण	5,395	5,498	5,663	268	165	5.0	3.0
5. वाणिज्यिक उधार	26,849	31,099	32,462	5,613	1,363	20.9	4.4
6. अनिवासी भारतीय जमा(दीर्घावधि)	35,134	35,651	36,563	1,429	912	4.1	2.6
7. रुपया ऋण	2,031	1,915	1,921	-110	6	-5.4	0.3
8. दीर्घावधि ऋण(1 से 7)	117,695	123,098	125,937	8,242	2,839	7.0	2.3
9. अल्पावधि ऋण	8,696	9,105	10,579	1,883	1,474	21.7	16.2
10. कुल ऋण (8 + 9)	**126,391**	**132,203**	**136,516**	**10,125**	**4,313**	**8.0**	**3.3**

सं: संशोधित **त्व.अ.** : त्वरित अनुमान

संघटकों के संदर्भ में, सितम्बर 2006 के अन्त में 125.9 बिलियन अमरीकी डालर पर बकाया दीर्घावधिक ऋण में तिमाही के दौरान 2.8 बिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि देखी गई। दीर्घावधिक ऋण के अंतर्गत, बहुपक्षीय ऋण में 493 मिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि हुई जो द्विपक्षीय ऋणों में 100 मिलियन अमरीकी डालर की गिरावट द्वारा अंशतः प्रतिसंतुलित हो गयी। बकाया निर्यात ऋण में 165 मिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि हुई। 32,462 मिलियन अमरीकी डालर पर वाणिज्यिक उधारों का स्टाक पिछली तिमाही के अंत की तुलना में 1,363 मिलियन अमरीकी डालर अधिक था। जबकि रूपया ऋण मोटे तौर पर पिछली तिमाही के ही स्तर पर बना रहा, अनिवासी भारतीय जमाराशियां 912 मिलियन अमरीकी डालर बढ़कर 36,563 मिलियन अमरीकी डालर हो गईं ।

अल्पावधिक ऋण व्यापार घाटे में वृद्धि के कारण सितम्बर-अंत 2006 की तिमाही में 16.2 प्रतिशत बढ़ कर 10,579 मिलियन अमरीकी डालर हो गया। व्यापार ऋणों में वृद्धि चालू वर्ष के दौरान उच्च आयात बिल के कारण हो सकती है।

कुल ऋण स्टॉक में उनके हिस्से के अनुसार, सितम्बर -अंत 2006 में अनिवासी जमा राशियां कुल ऋण का 26.8 प्रतिशत बैठती हैं, इसके बाद बहुपक्षीय ऋण 24.6 प्रतिशत और वाणिज्यिक उधार 23.8 प्रतिशत थे। द्विपक्षीय ऋण का हिस्सा 11.5 प्रतिशत था। निर्यात ऋण और रुपया ऋण क्रमशः 4.1 और 1.4 प्रतिशत थे। अल्पावधिक ऋण का भाग 7.8 प्रतिशत था।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, स्वर्ण,एसडीआर तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित ट्रांश स्थिति शामिल है, सितम्बर, 2006 की स्थिति के अनुसार 165.3 बिलियन अमरीकी डालर था। भारतीय रिजर्व बैंक की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, 30 सितम्बर, 2006 की स्थिति के अनुसार 158.3 बिलियन अमरीकी डालर थी जो कुल विदेशी ऋण स्टाक को लगभग 116 प्रतिशत का कवर मुहैया करा रही थी।

भारत के विदेशी ऋण पोर्टफोलियो में अमरीकी डालर प्रमुख मुद्रा बना हुआ है। देश के ऋण स्टाक में अमरीकी डालर का हिस्सा मार्च अंत 2006 के 45.4 प्रतिशत से और बढ़कर सितम्बर अंत 2006 में 46.7 प्रतिशत हो गया।

विदेशी ऋण को नियंत्रणीय सीमाओं के भीतर बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा विवेकपूर्ण विदेशी ऋण प्रबंधन नीतियों का पालन किया जाता है। इनमें रियायती शर्तों पर तथा दीर्घावधि परिपक्वताओं वाले कम खर्चीले स्रोतों से निधियां जुटाने पर बल देना,अल्प-अवधि वाले ऋणों की मानीटरिंग करना, उच्च लागत वाले ऋणों की समय-पूर्वअदायगी करना, अनिवासी भारतीय जमाराशियों की ब्याज दरों का यौक्तिकीकरण करना, विदेशी वाणिज्यिक उधारों के अंतिम प्रयोग को नियंत्रित करना, व्यापार ऋणों को सीमित करना तथा ऋण सृजित न करने वाले पूंजी प्रवाहों को प्रोत्साहित करना शामिल है।

इस रिपोर्ट का संपूर्ण पाठ वित्त मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है :

http://www.finmin.nic.in

एफ.सं.1(30)/2006-इडीएमयू.
नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 2006

प्रेस सूचना कार्यालय से इस प्रेस विज्ञप्ति को जारी करने का अनुरोध किया जाता है।

(आर.सी. श्रीनिवासन)
वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार

श्री बी.एस. चौहान
निदेशक (प्रेस संबंध)
आर्थिक कार्य विभाग
वित्त मंत्रालय
नार्थ ब्लाक
नई दिल्ली